BUNDELKHAND UNIVERSITY,JHANSI
M.A. HINDI SEMESTER EXAM SYSTEM SYLLABUS
FIRST SEMESTER 2016-17

S.N0	PAPER	M.M.
1-	FIRST PAPER- AADIKALEEN EVAM MADHYAKALEEN KAVYA	100
2.	SECOND PAPER – BHARTEEYA KAVYASHASTRA	100
3.	THIRD PAPER - HINDI SAHITYA KA ITIHAS (AADIKAL SE REETIKAL TAK)	100
4.	FOURTH PAPER - REETI KAVYA	100

SECOND SEMESTER

		M.M.
1.	FIRST PAPER –PASHCHATYA KAVYASHASTRA	100
2.	SECOND PAPER- HINDI SAHITYA KA ITIHAS (AADHUNIK KAAL)	100
3.	THIRD PAPER - VISHESH ADHYAYAN- RACHNAKAR (OPTIONAL) ANY ONE	100
	(i) SURDAS	
	(ii) TULSIDAS	
	(iii) KESHAVDAS	
	(iv) MAITHLISHARAN GUPTA	
	(v) VRINDAVANLAL VERMA	
	(vi) JAISHANKER PRASAD	
	(vii) SURYAKANT TRIPATI NIRALA	
	(viii) RAMCHANDRA SHUKLA	
	(ix) PREMCHAND	
	(x) SACHCHIDANAND HIRANAND VTSYAYAN "AGYEYA"	

THIRD SEMESTER

		M.M.
1.	FIRST PAPER- AADHUNIK HINDI KAVYA (CHHYAVAD TAK)	100
2.	SECOND PAPER - HINDI AALOCHNA	100
3.	THIRD PAPER – BHASHA VIGYAN AUR HINDI BHASHA	100
4.	HINDI KATHA SAHITYA	100

FOURTH SEMESTER

		M.M.
1.	FIRST PAPER – AADHUNIK HINDI KAVYA (CHHAYAVADOTTAR KAVITA	100
2.	HINDI NAATAK AUR NIBANDH	100
3.	BUNDELI BHASHA AUR LOK SAHITYA	100
4.	VAIKALIPK (VIBHAGADHYAKSHA KI ANUMATI SE)	100
	(i) MOOL BHASHAEN (SANSKRIT/ APBHRANSH)	
	(ii) PRAYOJANMULAK HINDI	
	(iii) PATARKARITA AUR JANSANCHAR	
	(iv) BHARTEEYA SAHITYA	
5.	VIVA VOICE	100
	GRAND TOTAL-	1600

MINIMUM PASS MARKS :

(A)	36%	III DIVISION
(B)	45%	II DIVISION
(C)	60%	I DIVISION
(D)	75%	DISTINCTION

H.O.D (HINDI)

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

सेमेस्टर प्रणाली के अन्तर्गत परास्नातक (हिन्दी) उपाधि हेतु विनियम

प्रस्तावना–

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी के हिन्दी द्विवर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर के होंगे। स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर तथा द्वितीय वर्ष में तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में प्रति सप्ताह तीस घण्टा/ वादन शिक्षण के 13 सप्ताह की शिक्षण अवधि होगी।

सेमेस्टर की कालावधिः

प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर	– जुलाई से दिसम्बर तक
द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर	– दिसम्बर से जून तक
कुल छात्र संख्या	– 60

प्रवेश –

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से सम्बन्धित विषय में त्रिवर्षीय स्नातक उपाधि प्राप्त अभ्यर्थी प्रवेश के लिए अर्ह होंगे। अभ्यर्थी के स्नातक तृतीय वर्ष में एक विषय के रूप में हिन्दी होना अनिवार्य होगा। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश, इस हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों की वरीयता के अनुसार होगा।

परीक्षा :

परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कक्षाओं में अलग–अलग पचहत्तर प्रतिशत (75 प्रतिशत) उपस्थिति अनिवार्य होगी। उपस्थिति में कोई भी शिथिलता विश्वविद्यालय के नियमानुसार देय होगी।

पाठ्यक्रम के प्रत्येक प्रश्नपत्र (मौखिकी/ प्रायोगिक सहित) का पूर्णांक 100 होगा। प्रत्येक प्रश्न–पत्र में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 20 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य होगा। मौखिकी का उत्तीर्णांक, पूर्णांक का 36 प्रतिशत होगा।

सेमेस्टर प्रथम/ तृतीय के परीक्षाफल की प्रतीक्षा किये बिना, विद्यार्थियों को अस्थाई रूप से सेमेस्टर द्वितीय/ चतुर्थ में प्रोन्नत कर दिया जायेगा।

ऐसे विद्यार्थी जो किसी सेमेस्टर परीक्षा के एक प्रश्नपत्र में निर्धारित न्यूनतम उत्तीर्णांक (20 प्रतिशत) प्राप्त न किये हों, परन्तु सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों के अंकों का योग 36 प्रतिशत हो, तो वे अगले सेमेस्टर में प्रोन्नत हो सकेंगे। ऐसे विद्यार्थियों को अगले वर्ष की संगत सेमेस्टर की नियमित परीक्षा के साथ पिछले सेमेस्टर की बैक पेपर की परीक्षा भी देनी होगी, जिसमें उसे उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में न्यूनतम प्राप्तांक (20 प्रतिशत) प्राप्त करना होगा।

वे विद्यार्थी जो किसी सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों के योग मे न्यूनतम उत्तीर्णांक (36 प्रतिशत) प्राप्त न किये हों, परन्तु प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक (20 प्रतिशत) प्राप्त किये हों, वे अगले सेमेस्टर में प्रोन्नत हो सकेंगे। इन्हें भी अगले वर्ष

02/7/16

02/07/2016

2/7/16

रामचन्द्र शुक्ल

पाठ्यग्रंथ

1. चिंतामणि भाग–1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. चिंतामणि भाग–2, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. त्रिवेणी – सं. कृष्णानन्द
4. रसमीमांसा – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास

व्याख्या केवल चिंतामणि भाग–1, 2 तथा त्रिवेणी से पूछी जाएगी।

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी आलोचना का विकास, नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. आलोचक का दायित्व : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
5. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, बच्चन सिंह
7. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ : रामेश्वर लाल खण्डेलवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और परवर्ती आलोचना : अमरनाथ शब्द और शब्द, नयी दिल्ली
9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : मलयज, रामकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. हिन्दी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार : रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, 15–ए, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद
11. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आलोचना का अर्थ : अर्थ की आलोचना–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : प्रस्थान और परम्परा – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना कोश – रामचन्द्र तिवारी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
14. आधुनिक हिन्दी आलोचना संदर्भ एवं दृष्टि – रामचन्द्र तिवारी, प्रत्यूष प्रकाशन, सरस्वती सदन, बेतियाहाता, गोरखपुर

02/7/16

02/07/2016

सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय

पाठ्यग्रंथ

1. **काव्य**– बावरा अहेरी, आंगन के पारद्वार, हरी घास पर क्षण भर
2. **उपन्यास**– नदी के द्वीप
3. **कहानी**– लौटती पगडंडियां, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
   निम्नांकित कहानियां– कोठरी की बात, जिजीविषा, लेटर बाक्स, शरणदाता, बदला, जयदोल, पठार का धीरज, हीलीबोन की बत्तखें, मेजर चौधरी की वापसी, खितीन बाबू = 10
4. **निबंध**– केन्द्र और परिधि – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
   निम्नांकित निबंध– सांस्कृतिक समग्रता और भाषिक वैविध्य, चुप की दहाड़, असंतोष की पहली सीढ़ी, अकेली यात्रा की देहरी पर, मेरी स्वाधीनता : सबकी स्वाधीनता, भाषा और समाज, व्यक्ति और व्यवस्थाः व्यक्ति और समाज = 07
5. **स्मृति लेखा**
   व्याख्या केवल निबंध, कविता, उपन्यास और कहानियों से पूछी जायेगी।

सहायक ग्रंथ–

1. अज्ञेय का कथा साहित्य : ओम प्रभाकर
2. अज्ञेय के उपन्यास : गोपाल राय
3. अज्ञेय के उपन्यासों की शिल्प विधि : सत्यपाल चुघ
4. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. प्रसाद, निराला और अज्ञेय : रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. रत्नाकर से रघुबीर सहाय तक : रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. अज्ञेय और नयी कविता : चन्द्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेण्टर, वाराणसी
8. शिखर से सागर तक – रामकमल राय
9. समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
10. अज्ञेय – संम्पा. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
11. अज्ञेय : सर्जना के विविध आयाम : सम्पा. सदानन्द प्रसाद गुप्त

02/7/16

02/07/2026

एम.ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर

अष्टम प्रश्न प्रत्र– आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)

प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा। पहला प्रश्न व्याख्या का होगा जो अनिवार्य होगा। शेष में से चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा–

(क) व्याख्याएँ – 3 X 12 = 36

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न – 4 X 16 = 64

पाठ्यक्रम –

1. **मैथिलीशरण गुप्त**– साकेत का नवम सर्ग
2. **जयशंकर प्रसाद** – कामायनी–श्रद्धा एवं इड़ा सर्ग
3. **सुमित्रानन्दन पंत**– तारापथ–सं. दूधनाथ सिंह – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। निम्नांकित कविताएं – बादल, परिवर्तन, एकतारा, नौका बिहार, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, ताज
4. **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'**– राग विराग–सं. रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। निम्नांकित कविताएं – सरोज स्मृति, राम की शक्तिपूजा
5. **महादेवी वर्मा**– दीपशिखा–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। निम्नांकित कविताएं–दीप मेरे जल अकम्पित, पंथ होने दो अपरिचित, मोम–सा तन घुल चुका, सब आंखों के आंसू उजले, धूप–सा तन दीप–सी मैं।
6. **रामधारी सिंह दिनकर**– संचयिता – भारतीय ज्ञानपीठ नयी दिल्ली। उर्वशी (सुकन्या औशनरी संवाद), जनतंत्र का जन्म, समर शेष है, भारत का रेशमी नगर

सहायक पुस्तकें –

1. जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन, लेखक डा0 विनोद शाही, आधार प्रकाशन, एस.सी. एफ. 267 सेक्टर 16, पंचकुला–134113 हरियाणा
2. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. जयशंकर प्रसाद : नन्द दुलारे वाजपेयी, कमल प्रकाशन, 91, नेपियर टाउन, जबलपुर–1
4. कल्पना और छायावाद : केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. छायावाद के गीतशिखर : सुरेश गौतम, शब्द सेतु प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता – प्रभाकर श्रोत्रिय, भारतीय ज्ञानपीठ नयी दिल्ली
7. सम्पूर्ण कामायनी–हरिहर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य संस्थान, इलाहाबाद
8. आधुनिक कविता यात्रा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

02/7/16

02/07/2016

9. कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. निराला की कविताएं और काव्यभाषा : रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. निराला की दो लम्बी कविताएं, जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
12. निराला की साहित्य साधना : भाग दो – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. महाप्राण निराला : एक पुनर्मूल्यांकन–सं. प्रेमशंकर त्रिपाठी, बड़ा बाजार कुमार सभा पुस्तकालय, कलकत्ता
14. सुमित्रानन्दन पंत : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
15. सुमित्रानन्दन पंत : नारायण दत्त पालीवाल, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
16. सुमित्रानन्दन पंत : सं. सदानन्द प्रसाद गुप्त, नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर
17. कामायनी का शैली वैज्ञानिक अध्ययन : सुरेन्द्र दुबे, 'शब्द और शब्द' दिल्ली
18. महादेवी वर्मा : डॉ. जगदीश गुप्त
19. छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचन्द्र शाह
20. दिनकर : विजेन्द्र नारायण सिंह, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
21. मैथिली शरण गुप्त : रेवती रमण, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
22. साकेत : एक अध्ययन : डॉ. नगेन्द्र

तृतीय सेमेस्टर

नवम् प्रश्न पत्र– हिन्दी आलोचना

प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न करने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। पाठ्यक्रम का स्वरूप इस प्रकार होगा–

(क) आलोचना का स्वरूप, आलोचना के प्रकार, आलोचक के गुण, आलोचक का दायित्व, रीतिकालीन हिन्दी आलोचना, भारतेन्दु युगीन हिन्दी आलोचना, द्विवेदी युगीन हिन्दी आलोचना, आलोचना का शुक्ल युग, शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना, नयी समीक्षा, दलित विमर्श, स्त्री विमर्श।

(ख) निम्नांकित आलोचकों का अध्ययन – रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

(ग) प्रसाद, निराला, प्रेमचंद, अज्ञेय, विजय देवनारायण साही का साहित्य चिंतन।

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी आलोचना का विकास – नन्द किशोर नवल
2. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
3. हिन्दी आलोचना : शिखरों के साक्षात्कार
4. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा

02/7/16

02/07/2016

5. साहित्य का नया शास्त्र – गिरिजा राय
6. समकालीन हिन्दी आलोचक और आलोचना : रामवक्ष
7. आलोचक और आलोचना – कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकुला
8. आलोचक का दायित्व – रामचन्द्र तिवारी
9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – रामचन्द्र तिवारी
10. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचनाकोश – रामचन्द्र तिवारी
11. हिन्दी काव्य शास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव – राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नयी दिल्ली।
12. हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

तृतीय सेमेस्टर

दशम् प्रश्न पत्र– भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न करने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे।

पाठ्यक्रम –

(क) भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र, भाषा विज्ञान और व्याकरण, भारतीय एवं पाश्चात्य भाषा विज्ञान का इतिहास, आधुनिक भाषा विज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय (स्कूल), भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाएं, भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियां, शब्द–शब्द अध्ययन की पद्धतियां, शब्द की परिभाषा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, भाषा की परिवर्तनशीलता उसके कारण, ध्वनि–ध्वनि की उत्पत्ति, वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन–कारण–दिशाएं, अर्थ परिवर्तन कारण और दिशाएं पद विज्ञान–शब्द और पद, पद रचना की पद्धतियां, वाक्य विज्ञान की परिभाषा, वाक्य संरचना और वर्गीकरण

(ख) हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास, हिन्दी भाषा की वर्तमान स्थिति, हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण, हिन्दी ध्वनियों का विकास, हिन्दी भाषा में प्रयुक्त विदेशी ध्वनियों में परिवर्तन की प्रवृत्तियां, संज्ञा पदों की रचना, परसर्गों का विकास, लिंग, वचन, विशेषण, सर्वनाम, क्रिया, अव्यय पदों की रचना और विकास, उपसर्गों, प्रत्ययों का उद्भव और विकास, हिन्दी का मानकीकरण, आधुनिकीकरण, भारतीय भाषाएँ और हिन्दी

सहायक ग्रंथ –

1. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. काव्यादर्श और काव्यभाषा – सुरेन्द्र दुबे, भवदीय प्रकाशन, फैजाबाद
5. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका– डॉ. मोतीलाल गुप्त, राजस्थान हिन्दी एकेडमी, जयपुर
7. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – रामदरश राय, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद
8. हिन्दी भाषा – धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
9. हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
10. हिन्दी भाषा – कैलाशचन्द्र भाटिया, साहित्य भवन, इलाहाबाद

02/7/16

02/07/2016

11. हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
12. अर्थतत्व – हरदेर बाहरी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
13. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास – सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
14. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
15. हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

तृतीय सेमेस्टर

एकादश प्रश्नपत्र– हिन्दी कथा साहित्य

प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा। कुल पांच प्रश्न करने होंगे। प्रथम प्रश्न व्याख्या से सम्बद्ध होगा, जो अनिवार्य होगा। शेष में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा –

(क) व्याख्याएँ – 3 X 12 = 36

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न – 4 X 16 = 64

पाठ्यक्रम –

उपन्यास–

1. गोदान – प्रेमचंद
2. मृगनयनी – वृन्दावन लाल वर्मा
3. शेखर एक जीवनी भाग–1 – अज्ञेय
4. मैला ऑचल – फणीश्वरनाथ रेणु

कहानियां –

1. प्रेमचंद– कफन
2. जयशंकर प्रसाद – आकाशदीप
3. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था
4. जैनेन्द्र – पत्नी
5. अज्ञेय – रोज
6. भीष्म साहनी – चीफ की दावत
7. फणीश्वरनाथ रेणु – रसप्रिया
8. उषा प्रियम्बदा – वापसी
9. अमरकांत – दोपहर का भोजन
10. निर्मल वर्मा – सुबह की सैर
11. मोहन राकेश – आर्द्रा
12. शिवप्रसाद सिंह – कर्मनाशा की हार

2/7 02/7/16 02/07/2016

13. रघुवीर सहाय – सेब

सहायक ग्रंथ–

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. प्रेमचंद : एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान
3. हिंदी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. अज्ञेय के उपन्यास : गोपाल राय
5. अज्ञेय का कथा साहित्य – ओम प्रभाकर
6. कहानी नयी कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. आज की हिन्दी कहानी – विजय मोहन सिंह
8. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. नयी कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य : रामकली सर्राफ
10. उपन्यास : स्थिति और गति : चन्द्र कांत वांदिवडेकर

02/7/16

02/07/2016

एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर

द्वादश प्रश्न प्रत्र– आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर कविता)

प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा। कुल पांच प्रश्न करने होंगे। प्रथम प्रश्न व्याख्या से सम्बद्ध होगा, जो अनिवार्य होगा। शेष में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा –

(क) व्याख्याएँ – 3 X 12 = 36

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न – 4 X 16 = 64

पाठ्यक्रम– निम्नांकित कवि –

1. अज्ञेय – आंगन के पार द्वार (असाध्य वीणा)
2. मुक्तिबोध – चांद का मुंह टेढ़ा है (अंधेरे में)
3. नागार्जुन – प्रतिनिधि कविताएं (सं. नामवर सिंह), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
   प्रतिबद्ध हूँ, सिंदूर तिलकित भाल, यह तुम थीं, मेरी भी आभा है इसमें, मास्टर
4. रघुवीर सहाय – प्रतिनिधि कविताएं (सं. सुरेश शर्मा) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
   पढ़िए गीता, हमारी हिन्दी, नेता क्षमा करें, आत्म हत्या के विरुद्ध।
5. श्री नरेश मेहता – (दूसरा सप्तक : सं. – अज्ञेय), चाहता मन, अहं, किरण धेनुएँ, जन गरबा– चरैवेति, उषस्: अश्व की वल्गा
6. धूमिल – संसद से सड़क तक (पटकथा)

सहायक ग्रंथ–

1. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानन्द श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
6. समकालीन कविता की प्रवृत्तियां – रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. अज्ञेय और नयी कविता – चन्द्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेण्टर, वाराणसी
8. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
9. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. समकालीन काव्य यात्रा – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. धूमिल और परवर्ती जनवादी कविता – श्रीराम त्रिपाठी, रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद
12. हिन्दी की प्रगतिशील कविता – लल्लन राय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़
13. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – रामचन्द्र तिवारी
14. हिन्दी की जनवादी कविता – वशिष्ठ अनूप

02/7/16

02/07/2026

चतुर्थ सेमेस्टर

त्रयोदश प्रश्न पत्र– हिन्दी नाटक और निबंध

प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा। कुल पांच प्रश्न करने होंगे। प्रथम प्रश्न व्याख्या से सम्बद्ध होगा, जो अनिवार्य होगा। शेष में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा –

(क) व्याख्याएँ – 3 X 12 = 36

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न – 4 X 16 = 64

पाठ्यक्रम –

(क) **नाटक**

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – अंधेर नगरी
2. जयशंकर प्रसाद – स्कंदगुप्त
3. मोहन राकेश – आषाढ़ का एक दिन
4. लक्ष्मीनारायण लाल – मिस्टर अभिमन्यु

(ख) **निबंध**

1. रामचन्द्र शुक्ल – चिंतामणि भाग–एक – करुणा, श्रद्धा भक्ति
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – 'हजारी प्रसाद द्विवेदी, संकलित निबंध (सं. नामवर सिंह) – कुटज, अशोक के फूल
3. अज्ञेय – सर्जना और संदर्भ (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली) – रूढ़ि और मौलिकता
4. कुबेरनाथ राय – (प्रिया नीलकण्ठी), सनातन नीम
5. विद्यानिवास मिश्र – तमाल के झरोखे से
6. निर्मल वर्मा – (शब्द और स्मृति) – अतीत : एक आत्म मंथन

सहायक ग्रंथ –

1. रामचन्द्र शुक्ल – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. रामचन्द्र शुक्ल–मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. शांति निकेतन से शिवालिक (सं. शिवप्रसाद सिंह)
5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य – चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़
6. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली

02/7/16

02/07/2016

7. प्रसाद के नाटक : सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
8. पहला रंग – देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
9. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. मोहन राकेश – आभा गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. हिन्दी निबंध और निबंधकार, रामचन्द्र तिवारी
12. समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना – गिरीश रस्तोगी, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़
13. समकालीन हिन्दी निबंध – कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
14. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. हिन्दी साहित्य के विविध परिदृश्य – सदानन्द प्रसाद गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

02/7/16

02/07/2016

21/7

चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्दश प्रश्न पत्र– बुन्देली भाषा और लोक साहित्य

प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का होगा। कुल पांच प्रश्न करने होंगे। प्रथम प्रश्न व्याख्या से सम्बद्ध होगा, जो अनिवार्य होगा। शेष में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा –

(क) व्याख्याएँ – 3 X 12 = 36

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न – 4 X 16 = 64

नोट :– व्याख्याएँ केवल चतुर्थ खण्ड (बुन्देली लोक साहित्य की पद्यात्मक विधायें) से पूछी जाएंगीं।

1. **बुन्देली भाषा का उद्‌भव तथा विकास**
   - (क) बुन्देलखण्ड का संक्षिप्त परिचय, क्षेत्र एवं सीमायें
   - (ख) बुन्देली भाषा का क्षेत्र, उपबोलियाँ, भाषा वैज्ञानिक स्वरूप एवं विशेषताएँ
2. **लोक साहित्य का स्वरूप, सिद्वांत, वर्गीकरण एवं विकास**
   - (क) 'लोक' की परिभाषा, लोक साहित्य और परिनिष्ठत साहित्य में अंतर, लोक साहित्य और अन्य विज्ञानों से संबंध
   - (ख) लोक साहित्य के अध्ययन की परंपरा, प्रमुख अध्येता एवं प्रमुख पत्रिकायें
3. **बुन्देली लोकसाहित्य का स्वरूप एवं विकास**
   - (क) बुन्देली लोक साहित्य के अध्ययन की परंपरा, प्रमुख अध्येता, बुन्देली लोक साहित्य पर आधारित संस्थाएँ एवं पत्रिकायें
   - (ख) बुन्देली–वेशभूषा, व्यंजन, लोकाचरण, पर्वोत्सव, लोक देवता लोक नृत्य
4. **बुन्देली लोक साहित्य की पद्यात्मक विधायें**
   - (क) बुन्देली लोकगीत– सौनारा, सुआटा, मामुलिया, झिंझिया, टेसू, रावला, अंचरी, आरजा, बिलबारी , बबुलिया, राछरा, पाई, सैरा, दिवारी, फाग
   - (ख) बुन्देली लोकगाथायें– आल्हा, जगदेव, अमान सिंह, लक्ष्मी बाई, हरदौल, कारसदेव
   - (ग) फड़ साहित्य
5. **बुन्देली लोक साहित्य की गद्य–पद्यात्मक विधाएँ**
   - (क) बुन्देली लोक कथायें
   - (ख) बुन्देली लोक नाट्य– भंडैती, रहस, कांडरा, स्वांग
   - (ग) बुन्देली लोक कहावतें

चतुर्थ सेमेस्टर

02/7/16

02/07/2016

पंचदश प्रश्नपत्र– (वैकल्पिक) निम्नांकित विकल्पों में से किसी एक का चयन विभागाध्यक्ष की अनुमति से किया जायेगा–

(क) मूल भाषाएं (संस्कृत / अपभ्रंश)

(ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी

(ग) पत्रकारिता और जनसंचार

(घ) भारतीय साहित्य

संस्कृत

प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा। कुल पांच प्रश्न करने होंगे। प्रथम प्रश्न व्याख्या से सम्बद्ध होगा, जो अनिवार्य होगा। अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा –

(क) व्याख्याएँ – 3 X 12 = 36

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न – 3X 16 = 48

(ग) व्याकरण से सम्बन्धित प्रश्न – 1X 16 = 16

पाठ्यक्रम–

1. वाल्मीकि रामायण – किष्किंधाकाण्ड (अट्ठाइसवां सर्ग) वर्षा ऋतु वर्णन – श्लोक 1–25 तक
2. कालिदास – मेघदूत – पूर्वमेघ
3. माघ – शिशुपालवधम् (पहला सर्ग)

व्याकरण–

स्वर संधि – दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण् संधि, अयादि संधि

व्यंजन संधि – जशत्व संधि, अश्चुत्व संधि, चर्त्व सन्धि

शब्द रूप – राम, हरि, गुरु, बालिका

सर्वनाम – अस्मद, युस्मद

धातुरूप – भू, पठ्, लिख (केवल लट् लोट और लङ् लकार)

समास – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्वन्द्व, द्विगु और बहुव्रीहि

02/7/16

02/07/2016

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा। अंक विभाजन इस प्रकार होगा–

(क) चार आलोचनात्मक प्रश्न – 4 X15 = 60

(ख) तीनलघुउत्तरीय प्रश्न – 3X 10 = 30

(ग) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 1X 10 = 10

पाठ्यक्रम–

1. राजभाषा के रूप में हिन्दी, सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी, बोलचाल की सामान्य हिन्दी, मानक हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी, संविधान में हिन्दी की स्थिति, हिन्दी की शब्द सम्पदा
2. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, मानक हिन्दी की संकल्पना, हिन्दी का मानकीकरण
3. हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र – कार्यालयी हिन्दी – उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी, व्यावसायिक हिन्दी, संचार माध्यमों में प्रयुक्त हिन्दी
4. भाषा व्यवहार – सरकारी पत्राचार, टिप्पणी लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक हिन्दी में सार लेखन, हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण की प्रवृत्तियां, प्रक्रिया

सहायक ग्रंथ –

1. प्रयोजनमूलक हिंन्दी – दंगल झाल्टे
2. कार्यालय कार्य बोध – हरिबाबू कंसल
3. कामकाजी हिन्दी – कैलाशचन्द्र भाटिया
4. व्यावहारिक हिन्दी – कृष्ण विकल
5. हिन्दी का सामाजिक संदर्भ – रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव एवं रमानाथ सहाय, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
6. राष्ट्रभाषा और हिन्दी – राजेन्द्र मोहन भटनागर, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
7. हिन्दी भाषा की सामाजिक भूमिका – भोलानाथ तिवारी एवं मुकुल प्रियदर्शनी, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास
8. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
10. प्रशासनिक हिन्दी निपुणता – हरिबाबू कंसल
11. आवेदन प्रारूप – एस.एन. चतुर्वेदी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
12. कार्यालयीय हिन्दी – विजय पाल सिंह
13. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और व्यवहार – रघुनन्दन प्रसाद शर्मा

02/7/16

02/07/2016

सहायक ग्रंथ–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
3. संस्कृत कवि दर्शन – भोलाशंकर व्यास, चौखम्भा, वाराणसी
4. संस्कृत व्याकरण – सुदर्शन लाल जैन
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – राधावल्लभ त्रिपाठी
6. संस्कृत साहित्य का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – भोलाशंकर व्यास
7. संस्कृत व्याकरण एवं लघु सिद्धांत कौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी

अपभ्रंश–

पूर्णांक

(क) व्याख्या – 3 X 12 = 36

(ख) चार आलोचनात्मक प्रश्न – 4X 16 = 64

पाठ्यक्रम–

1. हिन्दी के विकास में, अपभ्रंश का योग (नामवर सिंह), सरहपा, कण्हपा, देवसेन, अब्दुर्रहमान, सोमप्रभ, प्रबंध चिंतामणि, हेमचंद (छं. सं. 100 तक)
2. अपभ्रंश भाषा तथा साहित्य का विकासात्मक परिचय

सहायक ग्रंथ–

1. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. अपभ्रंश साहित्य – हरिवंश कोछड़
3. अपभ्रंश साहित्य और उसका हिन्दी पर प्रभाव – रामसिंह तोमर
4. अपभ्रंश भाषा का अध्ययन – वीरेन्द्र श्रीवास्तव, एस. चांद एण्ड कम्पनी, दिल्ली
5. पुरानी हिन्दी चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
6. पालि–प्राकृत–अपभ्रंश संग्रह – रामअवध पाण्डेय
7. पूर्वी अपभ्रंश भाषा – राधाकांत मिश्र
8. अपभ्रंश और अवहट्ठ : एक अन्तर्यात्रा : शम्भूनाथ पाण्डेय

02/7/16

02/07/2016

27

पत्रकारिता और जनसंचार

प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा। अंक विभाजन इस प्रकार होगा–

(क) चार लघुउत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) – 4 X 5 = 20

(ख) चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न एक–एक प्रश्न सभी खण्डों से – 4X20 = 80

(क) पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, स्वरूप, भारत में पत्रकारिता का उद्भव और विकास–स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी पत्रकारिता, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता।

साहित्यिक पत्रकारिता–परिभाषा, स्वरूप और विकास

साहित्यिक पत्रकारिता का इतिहास – वर्तमान स्थिति,

हिन्दी की प्रतिनिधि पत्रिकाएं – कवि वचन सुधा, हरिश्चन्द्र मैगजीन, ब्राह्मण, आनन्द कादम्बिनी, हिन्दी प्रदीप, सरस्वती, कर्मवीर, प्रताप, स्वदेश, हंस, मतवाला, कल्पना, आलोचना पत्रकार–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रतापनारायण मिश्र, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', बालकृष्ण भट्ट, महावीरप्रसाद द्विवेदी, गणेशशंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी, बाबूराव, विष्णु पराड़कर।

(ख) जनसंचार – जनसंचार का अर्थ, परिभाषा एवं महत्व, संचार प्रक्रिया के तत्व, जनसंचार माध्यम के विविध रूप, संचार माध्यमों की भाषा, समाचार पत्रों की भाषा, रेडियों तथा दूरदर्शन की भाषा, इण्टरनेट और हिन्दी, खोजी पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता, बेव पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता

(ग) समाचार – अर्थ, अवधारणा, प्रकार, समाचार के स्रोत, समाचार के तत्व, समाचार के मूल्य, समाचार विश्लेषण, समाचार एजेंसियों का इतिहास एवं कार्य, समाचार सम्पादन के सिद्धांत, संपादकीय पृष्ठ एवं संपादकीय लेखन, पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन, फीचर, साक्षात्कार, समीक्षा, यात्रा वृत्तांत, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, पटकथा लेखन, स्तम्भ लेखन।

(घ) मुक्त प्रेस की अवधारणा – जनसंचार माध्यमों में हिन्दी प्रयोग– सामर्थ्य और सीमाएं, प्रेस सम्बन्धी विभिन्न अधिनियम–आचार संहिता, मानहानि, न्यायालय की अवमानना, स्वत्वाधिकार, पंजीयन, प्रेस आयोग, प्रेस परिषद्, प्रसार भारती।

02/7/16

02/07/2016

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास – अम्बिका प्रसाद वाजपेयी
2. सम्पूर्ण पत्रकारिता – हेरम्ब मिश्र
3. पत्र और पत्रकार – कमलापति त्रिपाठी
4. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र
5. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
6. संपादन कला – के.पी. नारायण
7. पत्रकार कला – के.पी. नारायण
8. पत्र सम्पादनकला – नन्दकिशोर त्रिखा
9. हिन्दी पत्रकारिता : संकट और संत्रास – हेरम्ब मिश्र
10. सम्पूर्ण पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी
11. आधुनिक पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी
12. जनसंपर्क : सिद्धांत और व्यवहार – अर्जुन तिवारी, विमलेश तिवारी
13. जनसंपर्क : सिद्धांत एवं भाषा विमर्श – अवधेश नारायण मिश्र, राजेशनारायण द्विवेदी
14. संसद एवं संवाददाता – ललितेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव
15. समाचार एवं संवाददाता – काशीनाथ गोविन्द जोगलेकर
16. हिन्दी पत्रकारिता और स्वदेश – प्रत्यूष दुबे, शिवांक प्रकाशन, दिल्ली।
17. स्वदेश का साहित्य एवं समाज भाग –1, 2 – प्रत्यूष दुबे, विश्वभारती पब्लिकेशन्स, दिल्ली।

भारतीय साहित्य

प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य के स्वरूप से परिचित कराना है। अंक विभाजन इस प्रकार होगा–

(क)	तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्न	–	3X20 = 60
(ख)	चार लघुउत्तरीय प्रश्न	–	4X5= 20
(ग)	दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10X 2 = 20

पाठ्यक्रम–

खण्ड क–भारतीय साहित्य की अवधारणा – भारतीयता : अवधारणा और पहचान के आधार, भारतीय भाषा और संस्कृति के मूल तत्त्व।

खण्ड ख– मध्यकालीन भारतीय भक्ति–साहित्य : विविध सम्प्रदाय एवं दर्शन – तमिल के आलवार एवं नायनार, उड़ीसा का पंचसखा सम्प्रदाय, बंगाल का गौड़ीय सम्प्रदाय, असम में शंकर का महाधर्म, निम्बार्क सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय

02/7/16

02/07/2016

खण्ड ग– मध्यकालीन भारतीय रचनाकारों का सामान्य परिचय – अण्डाल, तिरुवल्लुअर, तुकाराम, नरसी मेहता, चण्डीदास, नानक, शंकरदेव, कबीर, तुलसीदास

खण्ड घ– आधुनिक भारतीय भाषाएं – नवजागरण का स्वरूप, भारतीय साहित्य में आधुनिकता और आधुनिक प्रवृत्तियाँ।

खण्ड ङ– आधुनिक भारतीय रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन – गीतांजलि (रवीन्द्र नाथ टैगोर), ययाति (विष्णु सखाराम खाण्डेकर), आवरण (एस.एल. भैरप्पा), कामायनी (जयशंकर प्रसाद)

भारतीय कहानियां– ईश्वर (उड़िया–प्रतिभा राय), देवीपाठ का रक्त (असमिया–इन्दिरा गोस्वामी), जंगा धूल का जमाना (गुजराती–रघुवीर चौधरी), परिन्दे (निर्मल वर्मा), आंधी (तेलुगू–पी. पद्मराज)

सहायक ग्रंथ –

1. भारतीय साहित्य की भूमिका – रामविलास शर्मा
2. भारतीय वाङ्मय – सम्पा. नगेन्द्र
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका – के. सच्चिदानन्दन
4. मेडिवल इण्डियन पोयट्री – अय्यक्षा पण्णिकर
5. मध्यकालीन धर्म साधना – हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. मराठी कवियों की हिन्दी रचनाएं – विनयमोहन शर्मा
7. हिन्दी और गुजराती कृष्ण काव्य का तुलनात्मक अध्ययन – जगदीश गुप्त
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं – रामविलास शर्मा
9. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर
10. इण्डियन रेनेसां – सुशोभन सरकार
11. भारतीय साहित्य – भोलाशंकर व्यास
12. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
13. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेन्द्र
14. आधुनिक भारतीय चिन्तन – डॉ. विश्वनाथ नरवणे
15. आवरण – एस. एल. भयरप्पा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।

चतुर्थ सेमेस्टर

षष्ठदश प्रश्नपत्र

मौखिकी– 100 अंक

02/7/16

02/07/2016

संगत सेमेस्टर की नियमित परीक्षा के साथ पिछले सेमेस्टर के पूर्व चयनित अधिकतम दो प्रश्नपत्रों की परीक्षा में सम्मिलित होकर सम्बन्धित सेमेस्टर के सिद्धान्त प्रश्नपत्रों के योग का न्यूनतम 36 प्रतिशत प्राप्त कर लेना होगा।

द्वितीय वर्ष की परीक्षा के उपरान्त यदि विद्यार्थी का किसी भी (प्रथम/ द्वितीय/ तृतीय/ चतुर्थ) सेमेस्टर की परीक्षा में बैक पेपर रहा हो तो वह उसी कम में अगले वर्ष में सम्बन्धित सेमेस्टर की परीक्षा के साथ उत्तीर्ण कर सकता है यह सुविधा केवल एक बार ही दी जाएगी। इस अवसर में भी अनुत्तीर्ण रहने के बाद विद्यार्थी अगले वर्ष भूतपूर्व परीक्षार्थी के रूप में नियमित परीक्षा के साथ उक्त सेमेस्टर की परीक्षा के साथ उक्त सेमेस्टर की परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

प्रथम या द्वितीय वर्ष के किसी सेमेस्टर की परीक्षा में उत्तीर्ण भूतपूर्व (Ex Student) विद्यार्थियों को उक्त सेमेस्टर की परीक्षा नहीं देनी होगी। उसके अंक संरक्षित (Reserve) रहेंगे।

नोटः

(क) प्रथम सेमेस्टर के किसी भी प्रश्नपत्र की परीक्षा में सम्मिलित न होने वाले विद्यार्थी का प्रवेश स्वतः निरस्त हो जाएगा।

(ख) प्रथम / तृतीय सेमेस्टर उत्तीर्ण किन्तु द्वितीय/ चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में सम्मिलित न होने वाले विद्यार्थी अगले वर्ष द्वितीय / चतुर्थ सेमेस्टर में प्रवेश लेकर परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

परीक्षाफल :

परीक्षाफल प्रथम एवं अन्तिम वर्ष के प्राप्तांकों के योग के आधार पर निम्नलिखित मानक के अनुसार घोषित किया जाएगा।

प्रथम श्रेणी : पूर्णांक के 60 प्रतिशत उससे अधिक।

द्वितीय श्रेणी : पूर्णांक के 48 प्रतिशत या उससे अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम

तृतीय श्रेणी : पूर्णांक के 36 प्रतिशत या उससे अधिक परन्तु 48 प्रतिशत से कम

शुल्क : विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित

02/7/16

02/07/2016

2/7/16

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय,झाँसी

एम0ए0– हिन्दी

प्रथम सेमिस्टर

क्र.सं.	प्रश्न–पत्र	अधिकतम अंक
1.	**प्रथम प्रश्न–पत्र–** आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य	100
2.	**द्वितीय प्रश्न–पत्र–** भारतीय काव्यशास्त्र	100
3.	**तृतीय प्रश्न–पत्र–** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	100
4.	**चतुर्थ प्रश्न–पत्र–** रीतिकाव्य	100
	कुल योग	**400**

द्वितीय सेमेस्टर

क्र.सं.	प्रश्न–पत्र	अधिकतम अंक
1.	**प्रथम प्रश्न–पत्र–** पाश्चात्य काव्यशास्त्र	100
2.	**द्वितीय प्रश्न–पत्र–** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	100
3.	**तृतीय प्रश्न–पत्र–** विशेष अध्ययन– रचनाकार (वैकल्पिक)	100
	कुल योग	**300**

(क) सूरदास (ख) तुलसीदास (ग) केशवदास (घ) मैथिलीशरण गुप्त

(ड़) वृन्दावन लाल वर्मा (च) जयशंकर प्रसाद (छ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(ज) रामचन्द्र शुक्ल (झ) प्रेम चंद्र (ञ) सच्चिदानन्द नन्द हीरानन्द वात्सायन 'अज्ञेय'

तृतीय सेमेस्टर

क्र.सं.	प्रश्न–पत्र	अधिकतम अंक
1.	**प्रथम प्रश्न–पत्र–** आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)	100
2.	**द्वितीय प्रश्न–पत्र–** हिन्दी आलोचना	100
3.	**तृतीय प्रश्न–पत्र–** भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	100
4.	**चतुर्थ प्रश्न–पत्र–** हिन्दी कथा साहित्य	100
	कुल योग	**400**

चतुर्थ सेमेस्टर

क्र.सं.	प्रश्न–पत्र	अधिकतम अंक
1.	**प्रथम प्रश्न–पत्र–** आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर कविता)	100
2.	**द्वितीय प्रश्न–पत्र–** हिन्दी नाटक और निबंध	100
3.	**तृतीय प्रश्न–पत्र–** बुन्देली भाषा और लोकसाहित्य	100
3.	**चतुर्थ प्रश्न–पत्र–** वैकल्पिक (विभागाध्यक्ष की अनुमति से)	100
	कुल योग	**400**

(क) मूल भाषाएं (संस्कृत/अपभ्रंश)

(ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी

(ग) पत्रकारिता और जनसंचार

(घ) भारतीय साहित्य

5.	मौखिकी	**100**

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर

पहला प्रश्नपत्र आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य

प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। अंक विभाजन इस प्रकार होगा–

(क) तीन व्याख्याएँ – 3 X 12 = 36

(ख) चार आलोचनात्मक प्रश्न – 4 X 16 = 64

कवि एवं पाठ्य ग्रंथ

1. **गोरखनाथ**– गोरखबानी – सार संग्रह (सम्पादक : रामचन्द्र तिवारी, रामदेव शुक्ल), भवदीय प्रकाशन, अयोध्या फैजाबाद
   पाठ्यअंश–सबदी, पद तथा आत्मबोध
2. **अब्दुल रहमान**– संदेश रासक (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ त्रिपाठी) राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
   पाठ्यअंश– तृतीय प्रक्रम – छंद 130 से 156 तक
3. **चंदबरदाई**– पृथ्वीराज रासो – पद्मावती समय (सं. डॉ. विश्वनाथ गौड़)
4. **कबीरदास**– कबीरवाणी पीयूष (सं. – ठाकुर जयदेव सिंह, वासुदेव सिंह) विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
   केवल निम्नांकित अंश– साखी सुमिरन कौ अंग, बिरह कौ अंग, परचा कौ अंग, सहज को अंग
   पद – 1 से 10 तक
5. **मलिक मुहम्मद जायसी**– जायसी ग्रंथावली (रामचन्द्र शुक्ल) – मानसरोदक खण्ड, नागमती वियोग खण्ड
6. **सूरदास**–भ्रमरगीत सार (रामचन्द्र शुक्ल) – पद 81 से 100 तक
7. **तुलसीदास**– रामचरितमानस (गीताप्रेस संस्करण)
   बालकाण्ड आरम्भ से दोहा 20 तक
   विनय पत्रिका (टीका – वियोगी हरि) पद सं. – 1, 3, 45, 76, 79, 84, 88, 90, 91, 100, 101, 103, 105, 111, 115, 120, 124, 172, 173, 175 = 20 पद

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हरिश्चन्द्र वर्मा हरियाण ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़।
5. चंद वरदाई : शांता सिंह, साहित्य अकादमी, दिल्ली

02/7/16 02/07/2016 2/7/16

6. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. नागेन्द्र नाथ उपाध्याय
7. पृथ्वीराज रासो की भाषा : नामवर सिंह
8. नाथ पंथ और संत साहित्य : नागेन्द्र नाथ उपाध्याय
9. पृथ्वीराज रासउ : माताप्रसाद गुप्त
10. मध्य युगीन काव्य साधना : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. कबीर मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. कबीर : एक नयी दृष्टि – रघुवंश, लोकभारती, इलाहाबाद
14. जायसी : एक नयी दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती इलाहाबाद
15. जायसी : विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
16. संत साहित्य की समझ : नन्द किशोर पाण्डेय
17. पूरा कबीर : बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
18. सूफी मत साधना और साहित्य : रामपूजन तिवारी, ज्ञानमण्डल, वाराणसी
19. हिन्दी संत काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन : वासुदेव सिंह
20. कबीर और भारतीय संत साहित्य : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
21. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह
22. लोकवादी तुलसी : विश्वनाथ त्रिपाठी
23. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल
24. भक्ति काव्य की भूमिका : प्रेमशंकर
25. मीराबाई – श्रीकृष्ण लाल, आनन्द पुस्तक भवन, वाराणसी
26. मीर एक पुनर्मूल्यांकन : सं. पल्लव आधार प्रकाशन, पंचकुला
27. रसखान : श्यामसुन्दर व्यास, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
28. परम्परा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा
29. महाकवि सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल
30. सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी
31. महाकवि सूरदास – नन्ददुलारे वाजपेयी
32. भक्तिकाव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
33. उत्तर भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी
34. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
35. जायसीः परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली

02/7/16

02/07/2016

2/7/16

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र : भारतीय काव्य शास्त्र

प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा। इस प्रश्न पत्र में पांच प्रश्न करने होंगे। अंक विभाजन इस प्रकार होगा– 5 X 20 = 100

पाठ्यक्रम

काव्य के प्रयोजन, लक्षण, काव्य के हेतु, भारतीय काव्य सम्प्रदायः रस, रीति, अलंकार, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, शब्द शक्तियाँ, गुण–दोष, नाटक के तत्त्व–वस्तु, नेता, रस का विवेचन।

सहायक ग्रंथ

1. भारतीय काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय काव्यशास्त्र – हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
3. भारतीय काव्यशास्त्र –तारक नाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. भारतीय काव्य चिंतन – डॉ. शोभाकांत मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना
5. भारतीय साहित्यशास्त्र – गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे, पापुलर बुक डिपो, पूना
6. रस मीमांसा – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. History of Sanskrit Poetics - P.V. Kane, Motilal Banarasi Das, Varanasi
8. काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
9. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज, राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. भारतीय काव्य विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परम्परा– राधावल्लभ त्रिपाठी
12. संस्कृत काव्य शास्त्र – बलदेव उपाध्याय

02/7/16

02/07/2016

प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा। अंक विभाजन इस प्रकार होगा– 5 X 20 = 100

पाठ्यक्रम

1. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन, नामकरण, आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ – सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य, रासो काव्य, आदिकालीन श्रृंगारिक काव्य, अमीर खुसरो।
2. भक्ति आंदोलन, भक्तिकाल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक पृष्ठभूमि, भक्तिकालीन प्रमुख प्रवृत्तियाँ–संतमत, सूफीमत एवं सगुणमत – भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।
3. रीतिकाल – नामकरण, विशेषताएँ, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध काव्यधारा।

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य का अतीत : दोनों भाग, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : राम कुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप – सुमन राजे
6. साहित्येतिहास आदिकाल – सुमनराजे
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राष्ट्रभाषा परिषद् पटना
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास– सम्पादकः डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
9. हिन्दी साहित्य दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
13. रीतिकाल की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
14. हिन्दी काव्य : स्वच्छंद धारा : कृष्णचन्द्र वर्मा
15. हिन्दी साहित्य का पुनर्मूल्यांकन : विद्यानिवास मिश्र

02/7/16

02/07/2016

चतुर्थ प्रश्नपत्र रीतिकाव्य

प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न करने होंगे। प्रथम प्रश्न व्याख्या का अनिवार्य होगा। शेष में से चार प्रश्न करने होंगे। अंक विभाजन इस प्रकार होगा–

(क) व्याख्याएँ – 3 X 12 = 36

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न – 4 X 16 = 64

कवि एवं पाठ्य ग्रंथ

1. **केशवदास**– रामचन्द्रिका (सं. रामचन्द्र तिवारी, संजय बुक सेण्टर के. 38/6, गोलघर, वाराणसी–221001)
   बालकाण्ड– 1, 2, 3, 12, 27, 30, 41, 81, 92, 99, 101, 106, 111, 117
   अयोध्याकाण्ड– 29, 31, 33, **अरण्यकाण्ड**– 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 26, 77, 85, 86
2. **बिहारी**– बिहारी (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – संजय बुक सेण्टर, वाराणसी)
   दोहा सं.– 5, 6, 8, 11, 21, 29, 33, 34, 37, 41, 43, 53, 55, 60, 61, 66, 72, 75, 77, 78, 81, 82, 84, 86, 95, 96, 104, 105, 111, 113, 116, 117, 118, 121, 122, 125, 134, 143, 147, 148, 161, 163, 185, 186, 200, 213, 215, 222, 230, 266 = (50)
3. **देव**– (देव की दीपशिखा सं. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली)
   छंद सं. 4, 5, 26, 33, 37, 40, 42, 47, 53, 60, 62, 64, 66, 68, 72, 73, 74, 86, 108, 118 = (20)
4. **घनानन्द**– आनन्दघन (सं. रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली)
   छंद सं. 1, 2, 13, 14, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 34, 35, 36, 38, 39, 40, 41, 44, 50, 54, 56, 59, 65 = (25)
5. **भूषण**– (भूषण ग्रंथावली – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली)
   छंद सं. 1, 2, 15, 48, 50, 53, 55, 61, 62, 65, 70, 76, 78, 81, 83, 93, 100, 113, 139, 172, 182, 195, 213, 231, 233 = (25)

सहायक ग्रंथ –

1. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. मध्ययुगीन काव्य साधना – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. रीतिकालीन वीर काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन – शिवनारायण सिंह
6. घनानन्द और स्वच्छंद काव्यधारा – मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. केशव की काव्यकला – कृष्ण शंकर शुक्ल

02/7/16 02/07/2016

8. आचार्य केशवदास – हीरालाल दीक्षित
9. केशव का आचार्यत्व – विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड संस, नयी दिल्ली
10. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग–2, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. केशव की काव्यभाषा – सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. घनानन्द का शृंगार काव्य – रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. बिहारी और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
14. रीतिकाव्य स्वच्छंदधारा – कृष्णचन्द्र वर्मा

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा। कुल पांच प्रश्न करने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे– 5 X 20 = 100

पाठ्यक्रम

1. अरस्तू की काव्य विषयक मान्यताएँ
2. लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा
3. वर्ड्सवर्थ – काव्य भाषा सिद्धांत
4. क्रोचे – अभिव्यंजनावाद
5. टी.एस. इलियट – परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
6. आई.ए. रिचर्ड्स – मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत

शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद, मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र, नयी समीक्षा, उत्तर आधुनिकता, विखंडनवाद

सहायक ग्रंथ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ. तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. अरस्तू का काव्यशास्त्र – सं.–डॉ. नगेन्द्र, भारती भण्डार, इलाहाबाद
5. काव्य चिंतन की पश्चिमी परम्परा – डॉ. निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. पाश्चात्य काव्य चिंतन – करुणा शंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. आलोचना की धारणाएं – रेनेवेलेक अनुवाद : इन्द्रनाथ मदान, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकुला
8. Literary Criticism : A short History : Wimsatt Cleanth Brooks - I B H Pub. Pvt. Ltd. New Delhi
9. अस्तित्ववाद – किर्केगार्द से कामू तक – योगेन्द्र शाही, मैकमिलन इण्डिया, कलकत्ता
10. नयी समीक्षा के प्रतिमान – सम्पा.–निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
11. उत्तर आधुनिकता : स्वरूप और आयाम – बैजनाथ सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला

02/7/16

02/07/2016

द्वितीय सेमेस्टर

षष्ठ प्रश्नपत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा। कुल पांच प्रश्न करने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे– 5 X 20 = 100

पाठ्यक्रम

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। (नवजागरण की चेतना और आधुनिककाल)
2. भारतेन्दु युग, भारतेन्दु युग की विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ।
3. द्विवेदी युग : विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ
4. छायावाद युग : विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार
5. प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नयी कविता
6. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ – निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, आलोचना का विकास
7. हिन्दी गद्य की लघु विधाएँ – संस्मरण और रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा साहित्य, रिपोर्ताज

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
9. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ – रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. फिलहाल – आशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. हिन्दी काव्य : संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

02/7/16

14. कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. हिन्दी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर, मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल
16. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर

सप्तम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) निम्नांकित रचनाकारों में से किसी एक का अध्ययन। चयन विभागाध्यक्ष की अनुमति से।

रचनाकार–सूरदास, तुलसीदास, केशवदास, मैथिलीशरण गुप्त, वृन्दावनलाल वर्मा, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमचंद, सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' = 10।

प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा। प्रथम प्रश्न व्याख्या से सम्बद्ध होगा, जो अनिवार्य होगा। शेष में से चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा–

(क) व्याख्याएँ – 3 X 12 = 36

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न – 4 X 16 = 64

सूरदास– सूरसागर–सार – सं. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद

सहायक ग्रंथ

1. अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय : दीनदयालु गुप्त, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग
2. सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. सूरसाहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
6. सूरदास और कृष्ण भक्ति काव्य : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन दिल्ली
7. हिन्दी कृष्ण भक्ति काव्य : मधुर भाव की उपासना, पूर्णमासी राम, भारती भवन, पटना
8. मध्ययुगीन काव्य साधना – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. हिन्दी सगुण भक्ति काव्य की सांस्कृतिक भूमिका : रामनरेश वर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
10. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

02/7/16

02/07/2016

गोस्वामी तुलसीदास

पाठ्यग्रंथ

1. **रामचरित मानस**– अयोध्याकाण्ड, गीताप्रेस, संस्करण – दोहा संख्या 65 से 133 तक।
2. **कवितावली**– (केवल उत्तर काण्ड) – गीताप्रेस संस्करण
   छंद सं. – 28, 29, 30, 31, 32, 33, 39, 40, 41, 43, 47, 48, 49, 50, 53, 55, 57, 59, 66, 72, 73, 81, 84, 90, 96, 97, 106, 107, 117, 129 = 30 छंद
3. **गीतावली**– (गीताप्रेस संस्करण)
   बालकाण्ड– 8, 9, 24, 28, 41, 44, 58, 76, 79, 98, 106, 110 = 12
   अयोध्याकाण्ड– 7, 11, 12, 28, 29, 43, 50, 54, 62, 63, 70, 71 = 12
   लंका काण्ड– 7, 8, 12, 16, 15, 19 = 6
4. **विनय पत्रिका (सं. वियोगी हरि)**– छंद सं. 1, 3, 5, 24, 30, 36, 41, 45, 73, 78, 79, 84, 88, 90, 91, 100, 101, 103, 105, 111, 114, 115, 118, 119, 120, 123, 162, 164, 166, 167, 168, 172, 173, 174, 175, 188, 189, 194, 198, 199 = 40 पद

सहायक ग्रंथ–

1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. तुलसी दर्शन मीमांसा – उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. तुलसी (सं. उदयभानु सिंह) राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. कथा राम कै गूढ़ – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. तुलसी और उनका युग – राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी
7. गोसाईं तुलसीदास – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
8. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुन्तल मेघ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. मध्ययुगीन काव्य साधना : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. भक्तिकाव्य की भूमिका – प्रेमशंकर
11. भक्ति काव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
12. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. परम्परा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

केशवदास

पाठ्यग्रंथ– रामचन्द्रिका, रसिकप्रिया, कवि प्रिया

सहायक ग्रंथ–

1. केशव कौमुदी– लाला भगवानदीन

02/7/16

02/07/2016

2. आचार्य केशवदास – हीरालाल दीक्षित
3. केशव की काव्यकला – कृष्णशंकर शुक्ल
4. केशवदास – चन्द्रबली पाण्डे
5. केशव का आचार्यत्व – विजयपाल सिंह
6. केशव की काव्यभाषा – सत्यनारायण त्रिपाठी
7. संक्षिप्त रामचन्द्रिका – पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
8. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा
9. मध्ययुगीन काव्य साधना – रामचन्द्र तिवारी, भवदीय प्रकाशन, फैजाबाद

मैथिलीशरण गुप्त

पाठ्यग्रंथ– साकेत, यशोधरा, द्वापर, भारत भारती, जयद्रथ वध

व्याख्या केवल– साकेत (प्रथम एवं नवम सर्ग), यशोधरा, विष्णु प्रिया, द्वापर तथा भारत भारती से

सहायक ग्रंथ–

1. 'साकेत : एक अध्ययन' डॉ. नगेन्द्र
2. मैथिलीशरण संचयिता, सम्पादक नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. गुप्त जी की कला – डा. सत्येन्द्र
4. मैथिलीशरण गुप्तः व्यक्ति और काव्य – डा. कमला कान्त पाठक
5. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता – डा. उमाकान्त
6. साकेत में काव्यः संस्कृति और दर्शन – डा. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
7. हिन्दी काव्य विमर्श : बाबू गुलाब राय
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
9. हिन्दी साहित्य – बीसवीं शताब्दी– नन्ददुलारे बाजपेयी
10. नवम सर्ग का काव्य वैभव – कन्हैयालाल सहल
11. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डा. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

वृन्दावनलाल वर्मा

पाठ्यग्रंथ –

1. **उपन्यास** – गढ़कुण्डार, विराटा की पद्मिनी, झाँसी की रानी, अमरबेल, अहिल्याबाई (इनमें से व्याख्या केवल गढ़कुण्डार, विराट की पद्मिनी और झाँसी की रानी से पूछी जाएगी।)
2. **कहानी** – 'शरणागत' (कहानी संग्रह)
3. **नाटक**– 'राखी की लाज'
4. **आत्मकथा** – 'अपनी कहानी'

02/7/16

02/07/2016

सहायक ग्रंथ –

1. उपन्यासकार वृन्दावनलाल वर्मा, डा. शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
2. ऐतिहासिक उपन्यासकार वृन्दावनलाल वर्मा, रामदरश मिश्र, एस. चन्द एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली
3. कथाकार वृन्दावनलाल वर्मा, डा. शशिभूषण सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ 1993
4. वृन्दावनलाल वर्मा के उपन्यासों का सांस्कृतिक अध्ययन, कृष्णा अवस्थी पुस्तक संस्थान, कानपुर
5. हिन्दी का गद्य साहित्य, डॉ. रामचन्द्र तिवारी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. ऐतिहासिकता और हिन्दी उपन्यास, डॉ. मक्खनलाल शर्मा, शब्द और शब्द, दिल्ली।
7. वृन्दावनलाल वर्माः साहित्य और समीक्षा, सियाराम शरण प्रसाद, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय : उपेन्द्र नाथ अश्क
9. हिन्दी नाटक की साहित्यिक संरचना : गोविन्द चातक
10. उपन्यासकार वृन्दावन लाल वर्मा और लोक जीवन : डॉ. भीष्म मखीजा
11. ऐतिहासिक उपन्यास और उपन्यासकार : गोपीनाथ तिवारी

जयशंकर प्रसाद

पाठ्यग्रंथ

1. कामायनी – चिंता, आशा, श्रद्धा सर्ग
2. लहर – अशोक की चिंता, पेशोला की प्रतिध्वनि तथा शेरसिंह का शस्त्र समर्पण
3. आँसू (सम्पूर्ण)
4. नाटक – चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी
5. उपन्यास – कंकाल
6. कहानी – पुरस्कार, आकाशदीप, ममता, गुण्डा, आँधी, मधुआ, विराम चिह्न, सालवती।
7. निबंध – काव्य और कला तथा अन्य निबंध

सहायक ग्रंथ –

1. जयशंकर प्रसाद – नन्ददुलारे वाजपेयी
2. छायावाद युगीन स्मृतियाँ – रामनाथ सुमन
3. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कामायनी : प्रेरणाा और परिपाक – रमाशंकर तिवारी
5. छायावाद और कामायनी : तारकनाथ बाली, सार्थक प्रकाशन, 100ए, गौतम नगर, नयी दिल्ली, – 110049

02/7/16

21/07/2016

6. हिन्दी स्वच्छन्दतावादी काव्य : प्रेमशंकर – मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल
7. प्रसाद निराला अज्ञेय : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. कामायनी अनुशीलन, रामलाल सिंह इंडियन प्रेस इलाहाबाद
9. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – रामेश्वर खण्डेलवाल
10. प्रसाद और उनका साहित्य : विनोद शंकर व्यास
11. प्रसाद के नाटक : सिद्धनाथ कुमार
12. प्रसाद के नाटकों का शिल्पगत अध्ययन : गोविन्द चातक
13. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
14. प्रसाद का गद्य साहित्य : राजमणि शर्मा
15. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
16. छायावादी काव्य का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन : कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

पाठ्यग्रंथ

अपरा– निम्नांकित कविताएं – भारती वन्दना, जुही की कली, जागो फिर एक बार, संध्या सुन्दरी, तोड़ती पत्थर, राम की शक्तिपूजा, मैं अकेला, सरोज स्मृति

राग–विराग– निम्नांकित कविताएं – वर दे वीणावादिनी वर दे, खुला आसमान, गहन है यह अंधकार, स्नेह निर्झर बह गया है, जल्द जल्द पैर बढ़ाओ, राजे ने अपनी रखवाली की, मरा हूँ हजार मरण, माँ अपने आलोक निखारो, पत्रोत्कंठित जीवन का विष बुझा हुआ है।

कथा साहित्य– कुल्ली भाट, चतुरी चमार

निबंध– प्रबंध प्रतिभा

सहायक ग्रंथ

1. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, भाग एक–दो–तीन
2. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. क्रांतिकारी कवि निराला : बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. निराला परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
5. महाकवि निराला – नन्ददुलारे वाजपेयी
6. नवजागरण और छायावाद : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. रचना प्रक्रिया और निराला : शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद
8. निराला का गद्य साहित्य – गयाप्रसाद गुप्त, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. छंद छंद पर कुंकुम – वागीश शुक्ल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

02/7/16

02/07/2016

10. महाप्राण निराला : जानकीबल्लभ शास्त्री
11. महाप्राण निराला : पुनर्मूल्यांकन–सम्पा. प्रेमशंकर त्रिपाठी, बड़ा बाजार कुमार सभा पुस्तकालय, कलकत्ता
12. निराला की दो लंबी कविताएं – जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
13. साहित्यस्रष्टा निराला : राजकुमार सैनी, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
14. निराला की कविताएं और काव्य भाषा, रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

प्रेमचंद

पाठ्यग्रंथ

1. **उपन्यास**– सेवासदन, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि, रंगभूमि
2. **कहानी**– प्रेमचंद की प्रतिनिधि कहानियां, संकलन संपादन – भीष्म साहनी (राजकमल पेपर बैक्स) राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. **नाटक**– कर्बला
4. **आलोचना**– साहित्य का उद्देश्य : हंस प्रकाशन, इलाहाबाद

सहायक ग्रंथ–

1. प्रेमचंद : घर में – शिवरानी देवी
2. प्रेमचंद : एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान
3. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
4. प्रेमचंद : कलम का सिपाही – अमृत राय
5. प्रेमचंद : जीवन, कला एवं कृतित्व – हंसराज रहबर
6. प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन – नन्ददुलारे वाजपेयी
7. कथाकार प्रेमचंद – मन्मथनाथ गुप्त
8. प्रेमचंद की उपन्यास कला – जनार्दन प्रसाद राय
9. प्रेमचंद एवं भारतीय किसान – रामबक्ष
10. प्रेमचंद : गंगा प्रसाद विमल
11. प्रेमचंद के साहित्य सिद्धांत – नरेन्द्र कोहली
12. प्रेमचंद : चिंतन और कला – सं. इन्द्रनाथ मदान

02/7/16

02/07/2016